भविष्यवाणी की उलटी गिनती

बुराई का जन्म

एक आश्चर्यजनक तथ्य:

ऑक्टोपस सभी समुद्री जीवों में सबसे लचीला, बहुमुखी और चतुर है। जब भेष बदलने की बात आती है, तो यह परम गिरगिट भी है। इसकी त्वचा में विशेष कोशिकाओं के लिए धन्यवाद, ऑक्टोपस में हजारों मिश्रण बनाने के रंग और यहां तक कि त्वचा की बनावट को बदलने की क्षमता होती है। पलक झपकते ही, यह समुद्र तल में लुप्त हो सकता है, बस एक और ऊबड़-खाबड़ चट्टान, मूंगे का टुकड़ा, या तैरती समुद्री शैवाल जैसा प्रतीत हो सकता है-या यहां तक कि केकड़े, मछली और समुद्री सांप जैसे जीवों की चाल की नकल भी कर सकता है!

1869 में साइबेरिया के एक किसान परिवार में जन्मे ग्रिगोरी रासपुतिन हमेशा रूसी पुजारियों की शक्ति और रीति-रिवाजों से प्रभावित था। 1897 में एक महान धार्मिक प्रकटन का अनुभव करने का दावा करने के बाद, उसने खुद को एक भटकते भिक्षु और पवित्र व्यक्ति के रूप में चित्रित किया। यद्यपि काफी हद तक अशिक्षित, रासपुतिन चतुर और करिश्माई था। 1904 में, उसने सेंट पीटर्सबर्ग की यात्रा की और एक रहस्यवादी और आध्यात्मिक उपचारक के रूप में कई धार्मिक और सामाजिक वर्गों को प्रभावित किया। अंततः उसकी मुलाकात ज़ार निकोलस द्वितीय और उसकी पत्नी एलेक्जेंड्रा से हुई। अर्ध-पुजारी ने धीरे-धीरे यह कहकर शाही परिवार में अपनी पैठ बना ली कि वह ज़ार के इकलौते बेटे अलेक्सी को ठीक कर सकता है, जो अधिकरक्तस्राव से गंभीर रूप से पीड़ित था। आश्चर्यजनक रूप से, रासपुतिन की सलाह का पालन करने से युवा एलेक्सी में सुधार हुआ। रासपुतिन जल्द

ही महल में एक स्थायी हिस्सा बन गया।

जब प्रथम विश्व युद्ध में रूसी सेना की कमान संभालने के लिए 1915 में ज़ार निकोलस ने सेंट पीटर्सबर्ग छोड़ा, तो रासपुतिन ने एलेक्जेंड्रा पर अपनी छलयोजना को मजबूत किया, यहां तक कि विनाशकारी राजनीतिक और सैन्य निर्णयों को भी प्रभावित किया। कई लोगों ने महारानी पर "पागल भिक्षु" के साथ संबंध होने का आरोप लगाया। 30 दिसंबर, 1916 को, रूसी रईसों के एक समूह ने, जो शाही परिवार पर दुष्ट ढोंगी के प्रभाव से डरते थे, रासपुतिन की हत्या कर दी और उसे मलाया नेवका नदी में फेंक दिया।

कई इतिहासकार रासपुतिन के विनाशकारी प्रभाव को रूसी साम्राज्य के पतन और साम्यवाद (कम्युनिज्म) के उदय का श्रेय देते हैं। बाइबल भी एक शक्तिशाली, विद्रोही और दुष्ट प्राणी के बारे में बताती है जिसने पूरी दुनिया को धोखा दिया और अपने कब्जे में ले लिया, जिससे अनकहा कष्ट हुआ ...

» जब आपको कोई रिक्त स्थान दिखाई दे, तो लापता शब्द को देखने और उसे भरने के लिए अपनी बाइबल का उपयोग करें ...

1 स्वर्ग में विद्रोही स्वर्गदूत का क्या नाम था और उसने विद्रोह क्यों किया?

यशायाह 14:12 *"हे ________________, भोर के चमकनेवाले तारे, तू कैसे आकाश से गिर पड़ा है?*

यशायाह 14:13, 14 *तू ________________ में कहता तो था, ... मैं ________________ के तुल्य हो जाऊँगा।*

यहेजकेल 28:17 *________________ के कारण तेरा मन फूल उठा था; और ________________ के कारण तेरी बुद्धि बिगड़ गई थी।*

ध्यान दें: लूसिफ़ेर परमेश्वर के प्राणियों में सबसे शक्तिशाली और सुंदर था। वह स्वर्गदूतों में सर्वोच्च था और संभवतः स्वर्गीय गायन मंडली का नेतृत्व करता था। लेकिन उसने अपनी बुद्धि और सुंदरता को अपने अंदर गर्व से भरने दिया। (इस पाठ के अंत में "शैतान, सोर और बेबीलोन के राजाओं का प्रतीक" शीर्षक वाला पूरक देखें।)

AMAZING FACTS INTERNATIONAL
प्रतिलिप्याधिकार © 2025 अमेजिंग फैक्ट्स इंटरनेशनल द्वारा। सर्वाधिकार सुरक्षित
P.O. Box 1058, Roseville, CA 95678 | amazingfacts.org | AFTV.in | 800-538-7275 | पवित्रशास्त्र के उद्धरण हिंदी बाइबिल (बीएसआई) और (ऑनलाइन-बीएसआई) से लिए गए हैं।

2 जब परमेश्वर ने लूसिफ़ेर को बनाया तो क्या उसने शैतान बनाया?

यहेजकेल 28:15 *जिस दिन से तू सिरजा गया, और जिस दिन तक तुझ में ________________ न पाई गई, उस समय तक तू अपनी सारी चालचलन में ________________ रहा।*

ध्यान दें: परमेश्वर ने एक निर्दोष स्वर्गदूत बनाया, जिसने अपनी स्वतंत्र इच्छा से, परमेश्वर का दुश्मन बनना चुना-एक ऐसा विकल्प जिसने अंततः उसे शैतान में बदल दिया।

इसकी कल्पना करना कठिन हो सकता है, लेकिन अगर हम लूसिफ़ेर को उसके पतन से पहले जानते होते, तो हम उससे प्रेम करते। हम ठीक-ठीक नहीं जानते कि कितने समय तक, लेकिन लूसिफ़ेर ने अपने हृदय में अभिमान और आक्रोश के बीज संजोने से पहले युगों तक ख़ुशी-ख़ुशी परमेश्वर की सेवा की होगी। प्रभु अपने सभी प्राणियों को रोबोट की तरह बना सकता था, लेकिन एक रोबोट प्रेम नहीं कर सकता। सच्चा प्रेम स्वतंत्र रूप से दिया जाना चाहिए, इसे जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए कि प्रेम वापस नहीं मिलेगा। बच्चे पैदा करते समय माता-पिता भी वही जोखिम उठाते हैं, यह जानते हुए कि वे कभी न कभी आज्ञा उल्लंघन करेंगे।

परमेश्वर ने कई कारणों से लूसिफ़ेर को अपना विद्रोह करने की अनुमति दी। सबसे पहले, परमेश्वर को इस प्रश्न का हमेशा के लिए समाधान करना था कि उसके प्राणियों के पास चुनने की स्वतंत्रता है या नहीं। दूसरा, लूसिफ़ेर ने जैसे ही परमेश्वर के प्रेम और सरकार के बारे में संदेह फैलाना शुरू किया, यदि परमेश्वर ने उसे नष्ट कर दिया होता, तो अन्य स्वर्गदूतों और बुद्धिमत्तापूर्ण प्राणियों के मन में लंबे समय तक संदेह बना रहता। वे सोचते, “शायद लूसिफ़ेर सही था।” इसलिए, लूसिफ़ेर को पाप के भयानक परिणामों को प्रदर्शित करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

अंत में, परमेश्वर नहीं चाहता कि उसके प्राणी उसकी आज्ञा का पालन केवल इसलिए करें क्योंकि यदि वे ऐसा नहीं करेंगे तो वह उन्हें दंडित करेगा। वह चाहता है कि हम भय के बजाय प्रेम के सिद्धांतों से उसकी आज्ञा मानें।

3 आख़िरकार लूसिफ़ेर का क्या हुआ?

प्रकाशितवाक्य 12:7 *फिर ________________ में ________________ हुई, मीकाईल और उसके स्वर्गदूत अजगर से लड़ने को निकले; और ________________ और उसके दूत उससे लड़े।*

ध्यान दें: अंततः, लूसिफ़ेर और उसका पक्ष लेने वाले दूतों को स्वर्ग से निष्कासित कर दिया गया।

4 कौन से शक्तिशाली प्राणी शैतान के आदेश के अधीन कार्य करते हैं?

प्रकाशितवाक्य 12:4 *उसकी पूंछ ने आकाश के तारों की एक*

_________________ *को खींचकर पृथ्वी पर डाल दिया।*

प्रकाशितवाक्य 12:9 *उसे पृथ्वी पर गिरा दिया गया, और उसके*

_________________ *उसके साथ गिरा दिए गए।*

ध्यान दें: शैतान इतना धूर्त है कि वह परमेश्वर के खिलाफ अपने विद्रोह में स्वर्ग के एक तिहाई स्वर्गदूतों को धोखा देने में सक्षम था। अब जो “शैतान” और “दुष्टात्माएँ” कहलाते हैं, ये गिरे हुए दूत शैतान की योजनाओं को पूरा करते हैं।

5 शैतान अपने काम में किन तरीकों का इस्तेमाल करता है?

क. प्रकाशितवाक्य 12:9 *जो शैतान कहलाता है और सारे संसार का*

_________________ *है।*

ख. मरकुस 1:13 *जंगल में चालीस दिन तक शैतान ने उसकी*

_________________ *की।*

ग. प्रकाशितवाक्य 16:14 *ये* _________________ *दिखानेवाली दुष्टात्माएँ हैं।*

घ. प्रकाशितवाक्य 12:10 *क्योंकि हमारे भाइयों पर* _________________ *लगानेवाला, जो रात दिन हमारे परमेश्वर के सामने उन पर* _________________ *लगाया करता था, गिरा दिया गया है।*

ङ. यूहन्ना 8:44 *वह तो आरम्भ से* _________________ *है ... क्योंकि वह* _________________ *है वरन्* _________________ *का पिता है।*

ध्यान दें: एक मामले में, अच्छे और बुरे के बीच लड़ाई में शैतान को परमेश्वर पर बढ़त हासिल है। परमेश्वर केवल सत्य का उपयोग करता है, लेकिन शैतान अपने उद्देश्यों को सर्वोत्तम ढंग से पूरा करने के लिए, किसी भी संयोजन में सत्य या झूठ का उपयोग कर सकता है। (इस पाठ के अंत में “अनपेक्षित की अपेक्षा करें” शीर्षक वाला पूरक देखें।)

6 शैतान सबसे खतरनाक कब होता है?

2 कुरिन्थियों 11:14 *क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिर्मय __________________ का रूप धारण करता है।*

ध्यान दें: यीशु ने हमें चेतावनी दी, “झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु अन्दर में वे फाड़नेवाले भेड़िए हैं।” (मत्ती 7:15)। शैतान तब सबसे खतरनाक होता है जब वह कलीसिया के अंदर काम करने वाले आध्यात्मिक प्राणी के रूप में कार्य करता है। (इस पाठ के अंत में “एक ज्योतिर्मय स्वर्गदूत” शीर्षक वाला पूरक देखें।)

7 क्या शैतान बाइबल जानता है?

मत्ती 4:5, 6 *तब इब्लीस ने ... उससे कहा, “यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि __________________ है: ‘वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा।”*

ध्यान दें: शैतान लोगों को धोखा देने के उद्देश्य से बाइबल को उद्धृत करने और गलत तरीके से उद्धृत करने में माहिर है। इसीलिए यह आवश्यक है कि गुमराह होने से बचने के लिए परमेश्वर के लोग स्वयं पवित्रशास्त्र को जानें।

8 शैतान पृथ्वी पर किससे सबसे अधिक नफरत करता है?

प्रकाशितवाक्य 12:17 *तब अजगर __________________ पर क्रोधित हुआ, और उसकी __________________ से, जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, लड़ने को गया।*

9 शैतान को चित्रित करने के लिए बाइबल किन दो घातक पशुओं का उपयोग करती है?

1 पतरस 5:8 *सचेत हो, और जागते रहो; क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले ________________ के समान इस खोज में रहता है कि किस को फाड़ खाए।*

प्रकाशितवाक्य 12:9 *तब वह बड़ा अजगर, अर्थात् वही पुराना ________________ जो इब्लीस और शैतान कहलाता है।*

ध्यान दें: शेर और साँप अपने शिकार को पकड़ने के लिए चुपके-चुपके और ध्यान भटकाने का इस्तेमाल करते हैं। शैतान की तरह, वे अचानक अपने शिकार पर झपट पड़ते हैं और निर्दयी तथा पीड़ा के प्रति उदासीन होते हैं।

10 शैतान का विरोध करने का एकमात्र तरीका क्या है?

याकूब 4:7, 8 *इसलिये परमेश्वर के ________________ हो जाओ; और शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा। परमेश्वर के निकट आओ तो वह भी तुम्हारे ________________ आएगा।*

ध्यान दें: परमेश्वर के निकट आने का सबसे अच्छा तरीका प्रार्थना करना, उसके वचन के माध्यम से उसे जानने की कोशिश करना और उसकी पूर्ण इच्छा के प्रति समर्पण करना है।

11 यीशु ने शैतान के हमलों का मुकाबला कैसे किया?

मत्ती 4:10 *तब यीशु ने उससे कहा, "हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि ________________ है ..."।*

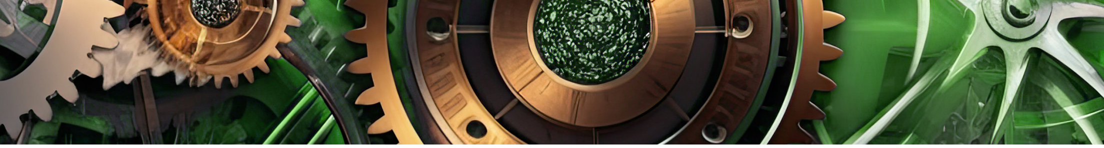

इफिसियों 6:17 *आत्मा की तलवार, जो ________________ का ________________ है।*

इब्रानियों 4:12 *क्योंकि परमेश्वर का ________________ जीवित, और प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है।*

ध्यान दें: शैतान के चतुर धोखे से हमारी एकमात्र सुरक्षा हमें पाप से दूर रखने के लिए हमारे दिमाग में परमेश्वर के वचन को संग्रहीत करने में है। शैतान से लड़ने के लिए यीशु ने जिन उपकरणों का इस्तेमाल किया था, आज उनकी ज़रूरत है और वे हमारे लिए उपलब्ध हैं।

- “मैंने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है, कि तेरे विरुद्ध पाप न करूँ।” (भजन संहिता 119:11)।
- “परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको।” (इफिसियों 6:11)।

12 शैतान और उसके दूतों का अंतिम भाग्य क्या होगा?

यशायाह 14:15 *परन्तु तू अधोलोक में उस ________________ की तह तक उतारा जाएगा।*

मत्ती 25:41 *तब वह बाईं ओर वालों से कहेगा, ‘हे शापित लोगो, मेरे सामने से उस अनन्त ________________ में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है।*

प्रकाशितवाक्य 20:10 *उन का भरमानेवाला शैतान आग और गन्धक की उस ________________, ... डाल दिया जाएगा।*

ध्यान दें: बाइबल इस अंतिम सज़ा को “दूसरी मौत” के रूप में वर्णित करती है, जिसमें से कोई पुनरुत्थान या छुटकारा नहीं है (प्रकाशितवाक्य 20:14)। अंततः, शैतान, उसके दूत और सभी दुष्ट इन अनन्त लपटों में भस्म हो जायेंगे।

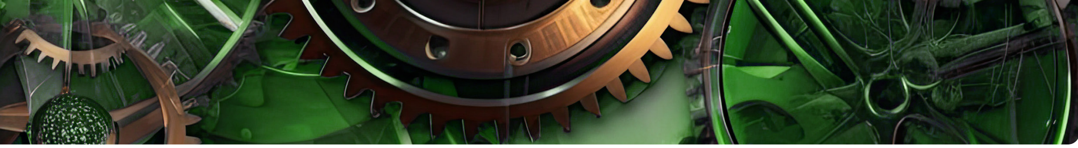

13 क्या शैतान परमेश्वर के लोगों को प्रलोभित करने के लिए फिर कभी प्रकट होगा?

यहेजकेल 28:18 *मैंने तुझ में से ऐसी आग उत्पन्न की जिस से तू ________________ हुआ, और मैंने तुझे सब देखनेवालों के सामने भूमि पर भस्म कर डाला है।*

यहेजकेल 28:19 *"तू भय का कारण हुआ है और फिर ________________ ________________ न जाएगा।"*

नहूम 1:9 *विपत्ति ________________ ________________ पड़ने न पाएगी।*

14 दुष्टों के विनाश के बारे में परमेश्वर कैसा महसूस करता है?

यहेजकेल 33:11 *परमेश्वर यहोवा की यह वाणी है: मेरे जीवन की सौगन्ध, मैं दुष्ट के मरने से कुछ भी ________________ नहीं होता, परन्तु इससे कि दुष्ट अपने मार्ग से ________________ ________________; हे इस्राएल के घराने, तुम अपने अपने बुरे मार्ग से फिर जाओ; तुम क्यों मरो?*

» आपका जवाब

यह मार्मिक तस्वीर दर्शाती है कि हमारा स्वर्गीय पिता अपने खोए हुए बच्चों के बारे में कैसा महसूस करता है। वह न केवल हमारे स्थान पर मरने को तैयार था, बल्कि वह एक कदम आगे चला गया–उसने अपना सबसे बड़ा उपहार, अपना बेटा, दे दिया! परमेश्वर नहीं चाहता कि कोई भी नष्ट हो। वह आपके बचाए जाने के लिए बेताब है। यही कारण है कि यीशु आपके स्थान पर मर गया। संसार के अधिकांश लोग परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह में शैतान के साथ शामिल हो गए हैं। क्या अब आप उससे प्रेम करना और उसकी सेवा करना चुनेंगे?

उत्तर: ________________

आगे का अध्ययन

शैतान, सोर और बेबीलोन के राजाओं का प्रतीक

यशायाह 14:4-15 में, बाइबल बाबुल के राजा को शैतान के प्रतीक के रूप में उपयोग करती है, और यहेजकेल 28:11-19 में, शैतान को सोर के राजा द्वारा दर्शाया गया है। दोनों मामलों में, हम जानते हैं कि प्रतीकवाद सांसारिक राजाओं से परे जाता है क्योंकि परमेश्वर का वर्णन किसी भी इंसान पर लागू नहीं हो सकता है। भविष्यवक्ता इन सांसारिक राजाओं के पीछे की दुष्ट शक्ति का वर्णन कर रहा है। ध्यान दें कि पवित्रशास्त्र के इन पद्यों में लूसिफ़ेर का वर्णन किस प्रकार किया गया है; वह:

- स्वर्ग में था जब वह गिरा (यशायाह 14:12)
- पूरी तरह से बुद्धिमान और पूरी तरह से सुंदर था (यहेजकेल 28:12)
- अदन वाटिका में था (v. 13)
- हर कीमती पत्थर से सजा हुआ था (v. 13)
- वह छानेवाला अभिषिक्त करूब के रूप में था (v. 14)
- परमेश्वर के पवित्र पर्वत पर था (v. 14)
- वह अपनी सारी चालचलन में निर्दोष था (v. 15)

चूँकि बाबुल और सोर के राजाओं ने शैतान की नीतियों का प्रदर्शन किया और वैसे ही विनाश का सामना करना पड़ा जैसे शैतान के राज्य का होगा, परमेश्वर ने उन्हें स्वयं शैतान का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपयोग किया। दर असल सभी बाइबल विद्वान इस प्रतीकवाद पर सहमत हैं। संयोग से, बाइबल लूसिफ़ेर के कई अन्य संदर्भ दर्ज करती है-देखें लूका 4:5, 6; 10:18; यूहन्ना 8:44; 2 पतरस 2:4; 1 यूहन्ना 3:8; यहूदा 1:6; प्रकाशितवाक्य 12:7-9—लेकिन यहेजकेल 28 और यशायाह 14 के बिना, हमारे पास पूरी कहानी नहीं होगी।

अनपेक्षित की अपेक्षा करें

बहुत से लोग उम्मीद करते हैं कि अंत समय में शैतान खुलेआम परमेश्वर के दुश्मन के रूप में प्रकट होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। शैतान वास्तव में परमेश्वर का सबसे बड़ा दुश्मन है, लेकिन उसका तरीका धार्मिकता का दिखावा करना होगा (मत्ती 24:24)। वह एक गौरवशाली, स्वर्गदूतीय प्राणी के रूप में प्रकट हो सकता है (2 कुरिन्थियों 11:13-15) और पूजा करवाने की कोशिश करेगा (प्रकाशितवाक्य 13:12)। पवित्रशास्त्र स्पष्ट है कि उसका ईश्वरीय मोर्चा इतना विश्वासप्रद होगा कि "सारी दुनिया" पशु के पीछे आश्चर्यचकित हो जाएगी (प्रकाशितवाक्य 13:3)।

एक त्रासदी के बारे में बात करें! शैतान मसीह के रूप में प्रस्तुत होने में इतना प्रभावी होगा कि असल में पूरी दुनिया उसका अनुसरण करेगी, यह सोचकर कि वे यीशु का अनुसरण कर रहे हैं। क्या आप धोखा खायेंगे? नहीं, यदि आप इस शृंखला में प्रस्तुत बाइबल चेतावनियों पर ध्यान देते हैं!

एक ज्योतिर्मय स्वर्गदूत

शैतान को ख़ुशी होती है जब लोग उसे एक लाल, चमगादड़ के पंख वाले प्राणी के रूप में चित्रित करते हैं जो कि कुछ भाग मनुष्य और कुछ भाग जानवर है, जिसके दो सींग और एक लंबी, नुकीली पूंछ है, जो एक पिचकारी लेकर नरक की आग भड़का रहा है। सच से दूर और कुछ भी नहीं हो सकता। ऐसी अवधारणाएँ यूनानी पौराणिक कथाओं से आती हैं। यह बकवास शास्त्र में कहीं नहीं मिलती।

इसके बजाय, बाइबल शैतान को एक प्रतिभाशाली, अत्यधिक आकर्षक देवदूत के रूप में वर्णित करती है जिसके पास संवाद करने की अद्भुत क्षमता है। वह पवित्रशास्त्र से भी अच्छी तरह परिचित है (मत्ती 4:5, 6)। शैतान परमेश्वर का स्वघोषित शत्रु है जिसका उद्देश्य उसके चरित्र को बदनाम करना और उसके राज्य पर कब्ज़ा करना है। शैतान आपसे और आपके प्रियजनों से भी घृणा करता है और आपको नष्ट करने की योजना बना रहा है। यह श्रृंखला आपको उसकी योजनाओं को समझने और उन्हें विफल करने का तरीका सीखने में मदद करेगी। अपने जीवन को अपने शक्तिशाली उद्धारकर्ता की सुरक्षात्मक देखभाल में रखें- और उसके मार्गदर्शन के लिए ईमानदारी से प्रार्थना करें।

ध्यान दें:

हमारे मुफ्त् ऑनलाइन पाठ्यक्र्मों के
साथ बाइबल के महान सत्य् की खोज करें

AMAZ!NG
BIBLE STUDIES

AmazingBibleStudies.com

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

भविष्यवाणी
की उलटी गिनती
पाठ 3

3

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

P.O. Box 1058
Roseville, CA 95678
amazingfacts.org
AFTV.in